STUDY IQ IAS

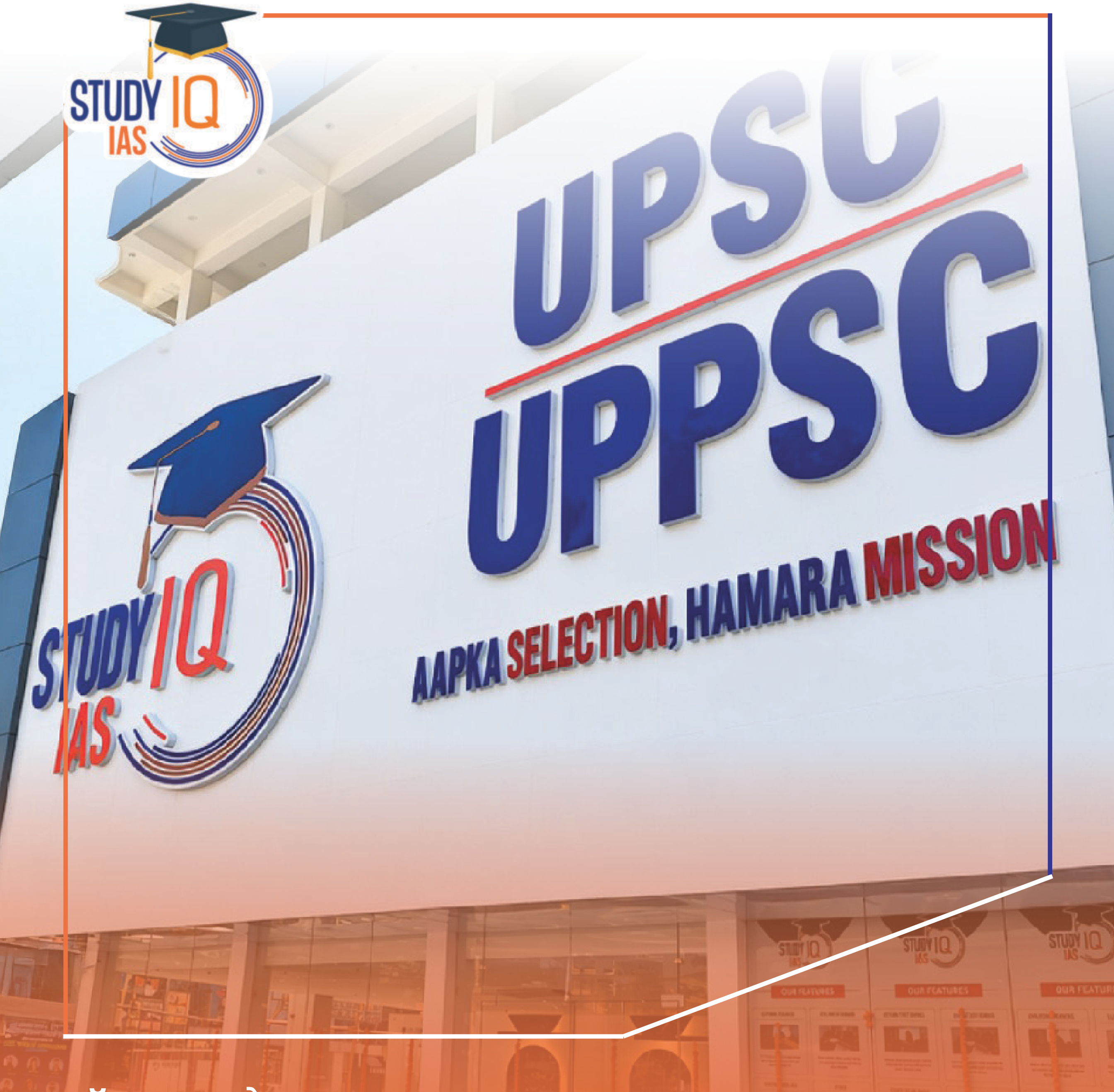

ऑफलाइन बैच

UPPSC फाउंडेशन

2026 - 2028

प्रीलिम्स से इंटरव्यू | स्मार्ट मॉडल पर आधारित

दिल्ली | पटना | प्रयागराज | लखनऊ | इंदौर

926-677-7073

आपका चयन, हमारा मिशन

हमारा विजन

भारत का सबसे विश्वसनीय और परिणामोन्मुखी शिक्षण तंत्र निर्मित करना, जहाँ प्रत्येक अभ्यर्थी चाहे उसकी पृष्ठभूमि कोई भी हो, उचित मार्गदर्शन, स्पष्ट संरचना और निरंतर सहयोग प्राप्त कर सके, ताकि वह अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान सके। हमारा उद्देश्य तैयारी की प्रक्रिया को भ्रम और अनिश्चितता से निकालकर स्पष्टता और आत्मविश्वास में परिवर्तित करना है, जिससे विद्यार्थी न केवल बेहतर तैयारी करें बल्कि यूपीपीएससी तथा उससे आगे भी सफलता प्राप्त करें।

हमारा मिशन

- परीक्षा तैयारी हेतु संरचित एवं चरणबद्ध लर्निंग पाथवे विकसित करना।
- अभ्यास, मूल्यांकन और फीडबैक के माध्यम से प्रदर्शन-आधारित शिक्षण को सक्षम बनाना।
- विशेषज्ञ शिक्षकों, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और प्रौद्योगिकी का एकीकृत तंत्र विकसित करना।
- मापनीय प्रगति के लिए डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि और निरंतर मूल्यांकन उपलब्ध कराना।
- बदलते परीक्षा पैटर्न के अनुरूप वैचारिक स्पष्टता को सुदृढ़ करना।
- ऐसे उपकरण उपलब्ध कराना जो अध्ययन, रिवीजन और अनुप्रयोग के बीच सेतु का कार्य करें।
- अनुशासन, निरंतरता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- कंटेंट, शिक्षण पद्धति और छात्र अनुभव में निरंतर नवाचार करना।
- भारत भर में उच्च-गुणवत्तापूर्ण और विस्तार योग्य शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करना।
- अभ्यर्थियों को सार्थक और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शन देना।

उत्कृष्टता और सफलता का उत्सव

2 करोड़ अभ्यर्थियों का भरोसा

कैंपस से कलेक्ट्रेट तक

UPPSC परीक्षा पैटर्न

प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार

UPPSC सिविल सेवा परीक्षा राज्य स्तर की सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक है। यह उत्तर प्रदेश राज्य सेवाओं में प्रतिष्ठित पदों तक पहुँचने का द्वार मानी जाती है, जिनमें डिप्टी कलेक्टर (DC), एसडीएम (SDM), पुलिस उप अधीक्षक (DSP) आदि पद शामिल हैं। किसी भी अभ्यर्थी के लिए अपनी तैयारी शुरू करने से पहले परीक्षा पैटर्न को समझना पहला आवश्यक कदम होता है।

प्रारंभिक परीक्षा चरण

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	प्रश्नों की संख्या
प्रश्न पत्र – 1	सामान्य अध्ययन I	200	150
प्रश्न पत्र – 2	सामान्य अध्ययन II (CSAT)	200	100

मुख्य परीक्षा चरण

प्रश्न पत्र	विषय	समय अवधि	अंक
प्रश्न पत्र – 1	सामान्य हिंदी	3 घंटे	150
प्रश्न पत्र – 2	निबंध	3 घंटे	150
प्रश्न पत्र – 3	सामान्य अध्ययन – I	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र – 4	सामान्य अध्ययन – II	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र – 5	सामान्य अध्ययन – III	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र – 6	सामान्य अध्ययन – IV	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र – 7	सामान्य अध्ययन – V	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र – 8	सामान्य अध्ययन – VI	3 घंटे	200
सभी प्रश्न-पत्रों के कुल अंक = 1500			

साक्षात्कार चरण

प्रश्न पत्र	समय अवधि	अंक
व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)	....	100

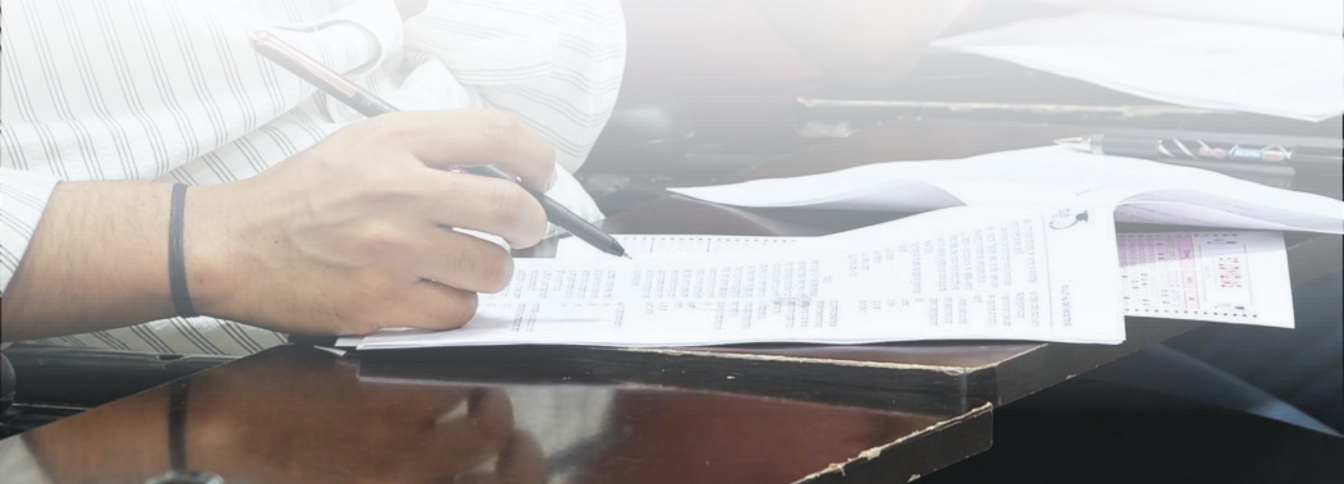

UPPSC परीक्षा

पाठ्यक्रम (सिलेबस)

प्रारंभिक परीक्षा

पेपर-I: सामान्य अध्ययन

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाओं की जानकारी होनी चाहिए।

प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारत का इतिहास इतिहास के अध्ययन में भारतीय इतिहास के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पहलुओं का व्यापक अध्ययन शामिल होगा। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अंतर्गत अभ्यर्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन की प्रकृति एवं विशेषताओं, राष्ट्रवाद के उदय तथा स्वतंत्रता प्राप्ति की उपलब्धियों की व्यापक समझ होनी चाहिए।

भारत एवं विश्व का भूगोल भारत एवं विश्व के भूगोल के अंतर्गत भारत तथा विश्व के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल का अध्ययन किया जाएगा। विश्व भूगोल के लिए विषय की केवल सामान्य समझ पर्याप्त होगी। भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्नों में भारत के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल को शामिल किया जाएगा।

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था इसमें भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति से संबंधित विशेष विषय शामिल होंगे। प्रश्न राजनीतिक व्यवस्था की समझ का परीक्षण करेंगे, जिसमें पंचायती राज एवं सामुदायिक विकास के साथ-साथ भारतीय आर्थिक नीति एवं भारतीय संस्कृति के व्यापक पहलू शामिल होंगे। राजनीतिक व्यवस्था, संविधान, लोक नीति, पंचायती राज, अधिकार संबंधी मुद्दे आदि पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सामाजिक एवं आर्थिक विकास सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से सतत विकास, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र की पहलें, गरीबी समावेशन आदि।

जैव विविधता, पर्यावरणीय पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन इसमें पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी के सामान्य विषय शामिल होंगे, जिनके लिए किसी विशेष विषयगत विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होगी। प्रश्नों का मुख्य विषय जनसंख्या, पर्यावरण एवं शहरीकरण के बीच संबंध एवं उनसे जुड़ी समस्याएँ होंगी।

पेपर-2: सामान्य अध्ययन

1. कम्प्रिहेन्सन (विस्तारीकरण)
2. अंतर्वैयक्तिक क्षमता जिसमें सम्प्रेषण कौशल भी समाहित होगा।
3. तार्किक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता।
4. निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान।
5. सामान्य बौद्धिक योग्यता।
6. प्रारम्भिक गणित हाईस्कूल स्तर तक-अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित व सांख्यिकी।
7. सामान्य अंग्रेजी हाईस्कूल स्तर तक।
8. सामान्य हिन्दी हाईस्कूल स्तर तक।

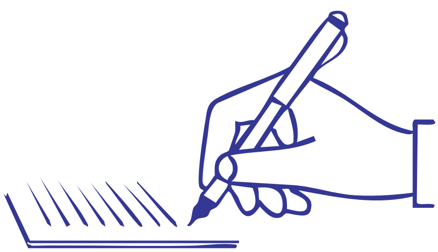

मुख्य परीक्षा चरण

सामान्य हिंदी

1. दिये गए गद्य खण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर।
2. संक्षेपण ।
3. सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र।
4. शब्द ज्ञान एवं प्रयोग।
   (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय प्रयोग
   (ब) विलोम शब्द
   (स) वाक्यांश के लिए एकशब्द
   (द) वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि
5. लोकोक्ति एवं मुहावरे।

निबंध

निबंध प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। अभ्यर्थियों को प्रत्येक खंड से एक-एक विषय चुनना होगा तथा प्रत्येक विषय पर लगभग 700 शब्दों में निबंध लिखना होगा। तीनों खंडों में निबंध के विषय निम्नलिखित क्षेत्रों पर आधारित होंगे :

खंड A – (1) साहित्य एवं संस्कृति (2) सामाजिक क्षेत्र (3) राजनीतिक क्षेत्र
खंड B – (1) विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी (2) आर्थिक क्षेत्र (3) कृषि, उद्योग एवं व्यापार
खंड C – (1) राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ (2) प्राकृतिक आपदाएँ — भूस्खलन, भूकंप, बाढ़, सूखा आदि (3) राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम एवं परियोजनाएँ ।

सामान्य अध्ययन – I

- भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला-रूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे।
- आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई0 से 1947 ई0 तक)- महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व एवं समस्याएं इत्यादि।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई0 तक)।
- विश्व के इतिहास में 18 वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएं जैसे फ्रांसीसी क्रान्ति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे।
- भारतीय समाज और संस्कृति की मुख्य विशेषताएं।
- महिला- समाज और महिला-संगठनों की भूमिका, जनसंख्या तथा सम्बद्ध समस्याएं, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और समाधान।
- उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज के अर्थ व्यवस्था, राज्य व्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तीकरण, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
- विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण- जल, मिट्टियाँ एवं वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)।
- भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएं- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएं, पवन एवं हिम सरिताएं।
- भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
- मानव प्रवास-विश्व की शरणार्थी समस्या-भारत-उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
- सीमान्त तथा सीमाएं-भारत उप-महाद्वीप के संदर्भ में।
- जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।

सामान्य अध्ययन – II

- भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।
- केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्धों में वित्त आयोग की भूमिका।
- शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएं। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रो का उदय एवं उनका प्रयोग।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाॅं एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (पी0आई0एल0)।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाॅं, कार्य तथा उनके उत्तरदायित्व।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग समेत-उनकी विशेषताएं एवं कार्यभाग।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के मुद्दे एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई0सी0टी0)।
- विकास प्रक्रियाएं-गैर सरकारी सगंठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, विभिन्न समूह एवं संघ, अभिदाता, सहायतार्थ संस्थाएं, संस्थागत एवं अन्य अंशधारक।
- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास एवं प्रबंधन से संबधित विषय।
- गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनैतिक व्यवस्था के लिए इनका निहितार्थ।
- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं, नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत व अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका।
- भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
- महत्वपूर्ण अन्तरराष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्य भाग।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय महत्व के समसामयिक घटनाक्रम।

सामान्य अध्ययन – III

- भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाॅं, नीति (एन0आई0टी0आई0) आयोग की भूमिका, सतत विकास के लक्ष्य (एस0डी0जी0)।
- गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास।
- सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली।
- प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी।
- अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली-उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएं, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भण्डार, कृषि में तकनीकी अभियान।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग-कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
- भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार।
- भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव।
- आधारभूत संरचना: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि।

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकि उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंम्प्यूटर, ऊर्जा स्त्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जागरुकता। बौद्धिक सम्पदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से सम्बन्धित मुद्दे।
- पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आंकलन।
- आपदा: गैर-पारम्परिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा शमन एवं प्रबन्धन।
- अन्तरराष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ : आणुविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तन्त्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउण्डरिंग तथा मानव तस्करी।
- भारत की आन्तरिक सुरक्षा की चुनौतियां: आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बगावत तथा संगठित अपराध।
- सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन।
- कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।

सामान्य अध्ययन – IV

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय अन्तः सम्बन्ध, मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्व, इसके निर्धारक और परिणाम : नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र।
- मानवीय मूल्य-महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- अभिवृत्तिः अंर्तवस्तु (कंटेन्ट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना।
- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर- तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा।
- संवेगात्मक बुद्धि: अवधारणाएं तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र : स्थिति तथा समस्याएं, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएं, नैतिक मार्गदर्शन के स्त्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतर्रात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अन्तरराष्ट्रीय संबंधों तथानिधि व्यवस्था (फंडिग) में नैतिक मुद्दे, कारपोरेट शासन व्यवस्था।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

सामान्य अध्ययन – V

- उ. प्र. का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर।
- उ. प्र. की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व।
- भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उ. प्र. का योगदान।
- उ. प्र. के सुविख्यात स्वतन्त्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व।
- उ. प्र. में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्देः सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य/बोली, सामाजिक प्रथाएं एवं पर्यटन।
- उ. प्र. की राजव्यवस्था-शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध।
- उ. प्र. में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महान्यायवादी, उच्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र।
- उ. प्र.-विशेष राज्य चयन मानदण्ड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग।
- उ. प्र. में स्थानीय स्वशासनः शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार सम्बन्धी मुद्दे।
- उ. प्र.-सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस, सूचना का अधिकार, समाधान योजना।

- उ. प्र. में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव।कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।
- उ. प्र. में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे :-(1) उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच सम्बन्ध। (2) बाह्य, राज्य एवं अन्तर राज्यीय सक्रियकों से आन्तरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियाँ पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका। (3) साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम। (4) विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश / अधिकार-पत्र। (5) सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबन्धन, संगठित अपराधों का आंतकवाद से संबंध।
- उ. प्र. में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा।
- उ. प्र. में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे।
- उ. प्र. में शिक्षा प्रणाली।
- भारत के विकास में उ. प्र. की भूमिका।
- उ. प्र. की समसामयिक घटनाएं।
- जल शक्ति मिशन एवं अन्य केन्द्रीय योजनायें एवं उनका क्रियान्वयन।
- उ. प्र. में गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.): मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव।
- उ. प्र. में पर्यटन: मुद्दे एवं सम्भावनायें।
- उ. प्र. में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारः इसके मुद्दे एवं इसका समाज में रोजगार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।

सामान्य अध्ययन – VI

- उ. प्र. का आर्थिक परिदृश्य : अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएं, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व।
- उ. प्र. का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग।
- उ. प्र. सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास।
- उ. प्र. में निवेश: मुद्दे एवं प्रभाव।
- उ. प्र. की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक जिला एक उत्पाद नीति।
- उ. प्र. में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबन्धन।
- उ. प्र. की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना।
- उ. प्र. में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन।
- उ. प्र. की नवीन वानिकी नीति।
- उ. प्र. की कृषि एवं सामाजिक वानिकी।
- उ. प्र. में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान।
- उ. प्र. के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक।
- उ. प्र. का भूगोल-भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति।
- उ. प्र. में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभ्यारण्य।
- उ. प्र. में परिवहन तंत्र।
- उ. प्र. में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना।
- उ. प्र. में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद एवं इनके कार्य।
- उ. प्र. के प्राकृतिक संसाधन मृदा, जल, वायु, वन, घास-मैदान, आद्रभूमि।
- उ. प्र. के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से सम्बन्धित मुद्दे।
- उ. प्र. के सन्दर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र-संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जन्तु एवं वनस्पतियां।
- उ. प्र. में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न।
- उ. प्र. में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी एवं पौध उत्पादन तथा उ. प्र. के विकास में इनका प्रभाव।
- उ. प्र. के विकास में सार्वजनिक एवं निजी साझेदारी को प्रोत्साहित करना।

साक्षात्कार चरण

जो अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे, उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

UPPSC परीक्षा पैटर्न के अनुसार साक्षात्कार 150 अंकों का होगा। अंतिम मेरिट सूची मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

फाउंडेशन चरण

ऑफलाइन फाउंडेशन प्रोग्राम

UPPSC में सफलता के लिए एक सुदृढ़ आधार अत्यन्त आवश्यक है। इस यात्रा में आप एक कठोर प्रक्रिया-आधारित फाउंडेशन कोर्स से गुज़रेंगे, जिसमें हमारे विशेषज्ञ शिक्षक वर्ग द्वारा 15 से अधिक विषयों की शिक्षा दी जाएगी।

ऑफलाइन कक्षाएँ
विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा संचालित प्र ऑफलाइन सत्रों के माध्यम से अध्ययन, जिसमें GS फाउंडेशन की 1200+ घंटों की पढ़ाई शामिल है।

हैंडआउट्स
आपके अध्ययन अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक सत्र से पहले संक्षिप्त क्लास नोट्स (CRUX) उपलब्ध कराए जाएंगे।

मेंटरशिप
समर्पित मेंटर्स से व्यक्तिगत मार्गदर्शन, जो आपकी प्रगति पर नज़र रखेंगे और आपको UPPSC सफलता के सही मार्ग पर बनाए रखेंगे।

MCQ अभ्यास
UPPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए विषयवार प्रीलिम्स MCQS का नियमित टेस्ट के साथ अभ्यास, जिससे आपकी सटीकता एवं समस्या-समाधान क्षमता बढ़ेगी।

उत्तर लेखन कौशल
नियमित अभ्यास सत्रों एवं फुल लेंथ टेस्ट के माध्यम से मुख्य परीक्षा के उत्तर लेखन कौशल में सुधार।

करेंट अफेयर्स कवरेज
समाचार-पत्र आधारित सत्रों एवं मासिक पत्रिका के माध्यम से सम्पूर्ण करेंट अफेयर्स कवरेज, ताकि आप UPPSC के लिए अपडेट रहें।

CSAT निपुणता
विशेषज्ञ कक्षाओं के माध्यम से CSAT की तैयारी, जो अवधारणाओं को सरल बनाती हैं एवं तार्किक एवं अभिरुचि कौशल को बढ़ाती हैं।

सामान्य चुनौतियाँ

UPPSC अभ्यर्थियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएँ

हर वर्ष अनेक अभ्यर्थी अत्यधिक प्रेरणा के साथ अपनी UPPSC यात्रा प्रारंभ करते हैं, लेकिन शीघ्र ही सही निर्देश के अभाव के कारण श्रम और निरंतरता में कमी का सामना करने लगते हैं। कठिन परिश्रम से कहीं अधिक, UPPSC एक स्पष्ट रोडमैप और संरचित दृष्टिकोण की मांग करता है।

अभ्यर्थियों द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य चुनौतियाँ :

बिखरी हुई तैयारी
कई पुस्तकों, यूट्यूब चैनलों और नोट्स से अध्ययन करना, लेकिन फिर भी दिशा की कमी महसूस होना।

स्पष्ट रोडमैप का अभाव
क्या पढ़ना है, कब पढ़ना है, और मूलभूत स्तर से उन्नत स्तर तक कैसे पहुँचना है, इसकी स्पष्ट समझ का अभाव।

सूचना का अत्यधिक भार
असंख्य संसाधन और रणनीतियाँ स्पष्टता के बजाय श्रम उत्पन्न करती हैं।

असंगत तैयारी
उच्च प्रेरणा के साथ शुरुआत करना, लेकिन महीनों तक अनुशासन बनाए रखने में संघर्ष करना।

कमजोर वैचारिक आधार
मूलभूत विषयों को छोड़ देने से अवधारणाओं की कमजोर समझ और उन्नत विषयों में कठिनाई उत्पन्न होती है।

मार्गदर्शन या मेंटरशिप का अभाव
ऐसे किसी व्यक्ति के बिना तैयारी करना जो मार्गदर्शन दे सके, गलतियों को सुधार सके या प्रगति का आकलन कर सके।

उत्तर लेखन में संघर्ष
विषयवस्तु का ज्ञान होने के बावजूद मुख्य परीक्षा में उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत न कर पाना।

खराब रिवीजन रणनीति
बहुत अध्ययन करने के बावजूद सही समय पर याद रखने और पुनरावृत्ति करने में असमर्थ होना।

परीक्षा संबंधी चिंता एवं कम आत्मविश्वास
मॉक टेस्ट का भय तथा दबाव में परीक्षा अनुकूल दृष्टिकोण की कमी।

एकीकृत तैयारी का अभाव
प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी को एकीकृत यात्रा के बजाय अलग-अलग रूप में करना।

क्या है

SMART मॉडल ?

UPPSC केवल अधिक पढ़ाई करने से नहीं, बल्कि एक संरचित, मार्गदर्शित और टेस्ट-आधारित तैयारी से उत्तीर्ण किया जाता है।

SMART मॉडल यह सुनिश्चित करता है कि आपकी तैयारी हो:

योजनाबद्ध | मार्गदर्शित | रिवाइज्ड | मूल्यांकित

हर चरण में- आपकी तैयारी हो व्यवस्थित

S

संरचित कक्षाएँ

एक स्पष्ट शैक्षणिक रोडमैप:

प्रारंभिक परीक्षा → मुख्य परीक्षा → साक्षात्कार

अवधारणाओं का विकास करना, फिर उन्हें परीक्षा-उपयुक्त क्षमता में परिवर्तित करना।

M

मेंटरशिप

व्यक्तिगत 1:1 मार्गदर्शन, ताकि आप शैक्षणिक और मानसिक रूप से निरंतर, केंद्रित और सही दिशा में बने रहें।

A

मूल्यांकन

परीक्षाओं, डैशबोर्ड और फीडबैक के माध्यम से निरंतर प्रदर्शन विश्लेषण, ताकि कमियों की पहचान कर सुधार किया जा सके।

R

रिवीजन

CRUX नोट्स, कक्षा रिवीजन और संरचित अध्ययन सामग्री के माध्यम से रिवीजन व्यवस्था, जिससे मजबूत स्मरण क्षमता सुनिश्चित हो।

T

टेस्ट अभ्यास

एक कठोर अभ्यास प्रणाली जिसमें शामिल हैं:

दैनिक अभ्यास • साप्ताहिक टेस्ट • सेक्शनल टेस्ट • फुल लेंथ टेस्ट

ताकि सटीकता, गति और परीक्षा अनुरूप प्रवृत्ति विकसित किया जा सके।

SMART मॉडल

क्यों प्रभावी है?

यह UPPSC तैयारी को केवल कंटेंट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया नहीं मानता।
यह इसे चयन की एक संपूर्ण प्रणाली के रूप में देखता है।

यह आपकी सहायता करता है:

- मजबूत आधार तैयार करने में
- अनुशासित और निरंतरता बनाये रखने में
- प्रभावी रिवीजन करने में
- निरंतर फीडबैक के माध्यम से सुधार करने में
- परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने में
- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की एकीकृत तैयारी करने में

संक्षेप में, आपकी तैयारी बिखरी हुई नहीं रहती, बल्कि यह संरचित, मार्गदर्शित और परिणाम-केंद्रित बन जाती है।

प्रारंभिक परीक्षा, **मुख्य परीक्षा** और **साक्षात्कार** की तैयारी एकीकृत तरीके से करना

प्रारंभिक परीक्षा से साक्षात्कार तक आपकी यात्रा — SMART तरीके से

हमारी पॉलिसी

P2I (प्रीलिम्स टू इंटरव्यू) जीएस फाउंडेशन बैच एक डायनामिक प्रोग्राम है, जिसे UPPSC परीक्षा की तैयारी के हर ज़रूरी चरण में आपका मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, फाउंडेशन कोर्स से लेकर अंतिम इंटरव्यू तक। हर चरण पर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के साथ, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आप UPPSC को क्रैक करने और उत्तर प्रदेश सिविल सेवा में अपनी जगह पक्की करने के लिए पूरी तरह से तैयार हों।

नोट

- संस्थान आवश्यकता पड़ने पर कक्षा के स्थान को बदलने/स्थानांतरित करने का अधिकार रखता है।
- विद्यार्थियों को कक्षाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग वेब/ऐप अथवा संस्थान द्वारा निर्धारित अन्य प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएगी। कक्षाएँ रिकॉर्ड की जाएँगी या LIVE होंगी, यह संस्थान के विवेक पर निर्भर करेगा। दोनों ही स्थितियों में विद्यार्थियों को अपनी शंकाएँ लिखकर निर्धारित केंद्रों पर मेंटर्स से समाधान प्राप्त करना होगा। रिकॉर्डेड वीडियो वेब/ऐप पर उपलब्ध कराए जाएँगे और इन्हें कितनी भी बार देखा जा सकता है।
- यदि कोई विद्यार्थी संस्थान के प्रति किसी अनियमित या अनुशासनहीन गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है, तो उसे कक्षा से प्रतिबंधित किया जा सकता है।
- संस्थान वाहन पार्किंग, भोजन या आवास की सुविधा प्रदान नहीं करेगा।
- विद्यार्थियों को कक्षाएँ समाप्त होने के बाद कक्षा खाली करनी होगी ताकि अन्य बैचों के विद्यार्थियों को समायोजित किया जा सके। विद्यार्थी संस्थान परिसर के भीतर फैकल्टी एवं मेंटर्स से मिल सकते हैं।
- ऑफलाइन कक्षाएँ समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएँगी, हालांकि संस्थान आवश्यकता पड़ने पर समय-सारणी में परिवर्तन कर सकता है।
- संस्थान प्रारंभिक या मुख्य परीक्षा के किसी भी टेस्ट को ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में आयोजित करने का अधिकार रखता है।
- ऑफलाइन कक्षाएँ सरकारी नियमों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के अनुसार संचालित की जाएँगी।
- कोर्स के दौरान कक्षाओं की अवधि निर्धारित समय से अधिक बढ़ाई जा सकती है अथवा एक ही दिन में दो कक्षाएँ भी आयोजित की जा सकती हैं।
- संस्थान समान समय वाले बैचों को आवश्यकता अनुसार विलय करने का अधिकार रखता है।
- प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा टेस्ट चर्चा अथवा अन्य विशेष सत्र जैसी अतिरिक्त कक्षाएँ संस्थान द्वारा आयोजित की जाएँगी। इन अतिरिक्त कक्षाओं का समय नियमित कक्षाओं से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में इन अतिरिक्त कक्षाओं की रिकॉर्डेड चर्चा देखना उचित रहेगा।
- संस्थान की कोई रिफंड नीति नहीं है। रिफंड से संबंधित मामलों पर केवल विद्यार्थी की चिकित्सीय स्थिति या व्यक्तिगत दुर्घटना की स्थिति में विचार किया जाएगा। रिफंड का निर्णय पूर्णतः संस्थान के विवेक पर निर्भर होगा।
- प्रवेश के बाद ऑफलाइन बैचों को ऑनलाइन बैचों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

पुस्तक सेक्शन

UPPSC पुस्तकें

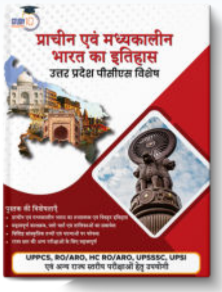

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत का इतिहास

आधुनिक भारत का इतिहास

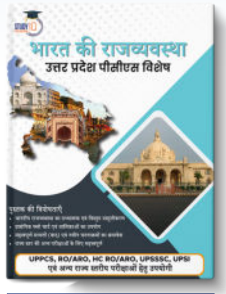

भारत की राजव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था

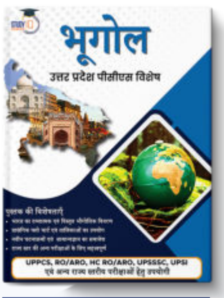

भूगोल

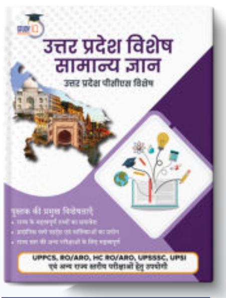

उत्तर प्रदेश विशेष सामान्य ज्ञान

विज्ञान एवं पर्यावरण

अध्ययन सामग्री सेक्शन

क्रक्स

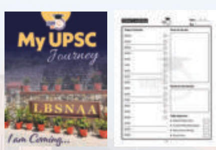

डायरी

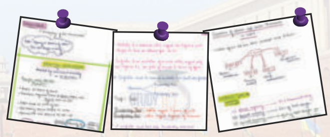

हस्तलिखित नोट्स

हार्दिक बधाई!

UPPSC CSE 2025 टॉपर को

UPPSC CSE 2025 में 200+ चयन

STUDYIQ IAS के विभिन्न पाठ्यक्रमों से चयनित अभ्यर्थी।

उप-जिलाधिकारी

नेहा पांचाल
AIR 1

नेहा सिंह
AIR 5

पूजा तिवारी
AIR 7

आयुष पांडे
AIR 10

गरिमा शर्मा
AIR 16

के. एम ज्योति
AIR 19

अनुराग प्रताप सिंह
AIR 23

श्वेता गुप्ता
AIR 25

श्वेता द्विवेदी
AIR 29

सचिन कुमार
AIR 31

पुलिस उपाधीक्षक

स्वदेश शर्मा
AIR 4

गुरमन कौर गिल
AIR 5

हर्ष कुमार सिंह
AIR 7

अंजुली गुप्ता
AIR 10

विमलेश कुमार
AIR 12

उप-पंजीयक

सृष्टि गुप्ता
AIR 1

निकुंज गुप्ता
AIR 6

फ़िज़ा गल्होत्रा
AIR 7

देवेंद्र सिंह
AIR 9

अतुल यादव
AIR 14

STUDY IQ IAS

हमारे ऑफलाइन केंद्र

दिल्ली | पटना | प्रयागराज | लखनऊ | इंदौर

हमारे काउंसलर्स से संपर्क करें 926-677-7073